कुश की पवित्री क्यों ?

सन्ध्या – वंदनादि करते समय कुश की पवित्री (अंगूठी) बनाकर अनामिका उंगली में पहनने का शास्त्रीय विधान है ताकि हाथ द्वारा संचित आध्यात्मिक शक्ति पुंज दूसरी उंगलियों में न जाए। इसका कारण यह है कि अनामिका के मूल में सूर्य का निवास माना गया है।

सूर्य से हमें जीवनी–शक्ति, तेज और यश प्राप्त होता है। इस उर्जा को पृथ्वी में जाने से रोकने के लिए भी पवित्री धारण की जाती है। कुछ विचारकों का मानना है कि यदि हाथ की उर्जा की रक्षा न की जाए तो इसका दुष्परिणाम हमारे मस्तिष्क और हृदय पर भी पड़ सकता है।

★★★